कमांक 181—ज(I)-84/6283.—-श्री करतार सिंह, पुत श्री महां सिंह, गांव भोग्डमी, तहसील व जिला गुड़गांवा, की दिनांक 12 जुलाई, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं $2(\mathbf{v})(1)$ तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शिन्तयों का प्रयोग करते हुए श्री करतार सिंह को मुल्लिंग 300 रुपये धार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्रमांक 1401-ज-11-74/40138, दिनांक 3 दिसम्बर, 1974 स्था प्रधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, प्रव उसकी विधश श्रीमती सरूपवितों के नाम रवी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 9 मार्च, 1984

क्रमांक 198—ज(I)—84/6678.—श्री सावण सिंह, पुत्र श्री चेत सिंह, गांव नमडोली, तहसील नारायणगढ़, जिला श्रम्बाला की दिनांक 6 नवम्बर, 1982 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v) (1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सावण सिंह को मुवलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 274—जं -(I)–78/7222, दिनांक 10 मार्च, 1978, तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 1789—जं (I)–79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, श्रब उसकी विधवा श्रीमती भाग कौर के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगतं प्रदान करते हैं।

कमांक 142-ज-I-84/6682.—हिरयाणा सरकार राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई प्रधिसूचना कमांक 1211-ज-I-83/39912. दिनांक 1 दिसम्बर, 1983 जो हिरयाणा सरकार के राजपत्त में दिनांक 27 दिसम्बर, 1983 को प्रकाशित हुई है की चौथीं कतार में "400 रुपये" की बजाये "300 रुपये" पढ़ा जाये।

दिनांक 16 मार्च, 1984

कमांक 174-ज-(II) 84/7538. —श्री पूरन सिंह, पुत्र श्री दिलसुख, गांव झाडली, तहसील झज्जर, (ग्रंब कोसली), जिला रोहतक, की दिनांक 3 सितम्बर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार भिव्वित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री पूरन सिंह की मुल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 8062-ग्रार -(4)-67/499, दिनांक 2 फरवरी, 1968 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रंब उसकी विधवा श्रीमती मनभरी के नाम रबी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 173-ज-(II)-84/7542.—श्री ग्रमर चन्द, पुत्र श्री गंगा सहाय, गांव श्याम नगर, तहसील झज्जर, (ग्रव कोसली), जिला रोहतक, की दिनांक 20 जनवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रधीन श्रदान की गई शक्तियों का श्रयोग करते हुये श्री ग्रमर चन्द की मुख्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना 295-ज-(II)-77/8548, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1977 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूवर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रव उसकी विधवा श्रीमती सरती देवी के नाम रवी 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 261ज-(II)-84/7546.—श्री चन्दन सिंह, पुत्र श्री भीखा राम, गांव बहु ग्रुकवरपुर, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 1 जनवरी, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v) (1v) तथा 3(1v) के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये श्री चन्दन सिंह को मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना कमांक 429-ज-(I)-74/19971, दिनांक 18 जून, 1971 तथा श्रिधसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 शक्तूवर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मेहर कौर के नाम खरीफ 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गंत प्रदान करते हैं।